पत्रिका

हाईकोर्ट के आदेश भी बेअसर : एनएच पर मवेशियों का जमावड़ा,पेट्रोलिंग तक नहीं

बिलासपुर-रायपुर एनएच पर फिर वाहन की चपेट में आए 15 मवेशियों की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

शहर की सड़कों से एनएच तक में मवेशियों का जमावड़ा

दुर्घटनाओं से आए दिन सड़कें खून से हो रहीं लाल

बिलासपुर. जिले के मुख्य मार्गों में लगातार मवेशियों को वाहनों द्वारा रौंदा जा रहा है। नेशनल हाईवे में बड़ी संख्या में मवेशियों की मौत हो रही है। बुधवार रात को भी बिलासपुर-रायपुर नेशनल हाईवे पर लिमतरा के पास अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने सड़क पर बैठे 16 से अधिक मवेशियों को कुचल दिया।

इसमें 15 गायों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल है। गुरुवार सुबह जब लोग सड़क पर निकले तो हाईवे पर खून से सने मृत मवेशी पड़े थे। घटना की जानकारी मिलते ही गौ सेवक और पुलिस मौके पर पहुंचे।

गौ सेवकों ने हादसे को लेकर गहरा आक्रोश जताया और प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने बताया कि जिले के नेशनल हाईवे पर लगातार इस तरह के हादसे सामने आ रहे हैं।

लेकिन न तो हाईवे पेट्रोलिंग हो रही, न ही पुलिस प्रशासन द्वारा रात में गश्त किया जा रहा है, जिसके चलते रात में अंधाधुंध ट्रक चलाने वाले ड्राइवर इन्हें रौंद रहे हैं।

हर दिन हो रहे इस तरह के हादसे

जिले में लगातार सड़कों पर मवेशियों को अज्ञात वाहनों से कुचलने के मामले सामने आ रहे हैं। ज्यादातर मामले आउटर के मुख्य मार्गों से आ रहे हैं। प्रतिदिन हादसे में मवेशी दम तोड़ रहे हैं। साल भर की बात करें तो जिले में 100 से अधिक मवेशी सड़क हादसों में जान गंवा चुके हैं।

प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

गौ सेवक विपुल गुप्ता ने बताया कि लगातार हो रही घटनाओं और हाईकोर्ट के आदेशों के बावजूद जिला प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। न तो मवेशियों को सड़कों से हटाने की कोई स्थायी व्यवस्था की गई है और न ही जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई होती दिख रही है। मृत मवेशियों को गड्ढे में दफन करने के साथ ही घायलों का इलाज भी हम गौ सेवक ही कर रहे हैं।

हॉटस्पॉट बने ये इलाके

शहर के तखतपुर-मुंगेली मार्ग, कोटा रोड, मस्तूरी, चकरभाठा और सीपत रोड जैसे इलाकों में शाम ढलते ही सड़कों पर मवेशियों का जमावड़ा आम बात हो गई है। प्रशासन की अनदेखी और लचर व्यवस्था के चलते हाईवे अब जानलेवा बनते जा रहे हैं। इसके अलावा बिलासपुर-रायपुर नेशनल हाईवे में रात के अलावा दिन में भी मवेशी बैठे नज़र आते हैं। ये क्षेत्र मवेशियों की दुर्घटना के लिए हॉटस्पॉट बना हुआ है।

इधर, ग्राम कड़ार के दो मवेशी मालिक गिरफ्तार

राष्ट्रीय राजमार्ग-49 पर कड़ार-सारधा चौक के पास हुए 28 जुलाई को 19 गायों की मौत के मामले में पुलिस ने ग्राम कड़ार निवासी दो गाय मालिकों कमलेश्वर वर्मा (75 वर्ष) और विजय वर्मा (62 वर्ष) को भारतीय दंड संहिता की धारा 291 के तहत कार्रवाई की है। इन दोनों पर लापरवाहीपूर्वक मवेशियों को सड़क पर छोड़ने का आरोप है। पुलिस अब अन्य जिम्मेदार पशुपालकों की भी पहचान कर रही है ताकि ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

20 दिन में तेज रफ्तार भारी वाहनों से 3 हादसे, 50 से अधिक मवेशियों की मौत

- **पहला हादसा:** 28 जुलाई 2025 तेज रफ्तार दो वाहनों ने मस्तूरी और चकरभाठा थाना क्षेत्र में 23 मवेशियों को कुचला। 19 मवेशियों की मौत। वहीं 6 गंभीर रूप से घायल। मस्तूरी क्षेत्र के एनएच-49 में लावर मोड़ के पास घटना।
- **दूसरा हादसा:** 14 जुलाई 2025 ग्राम पंचायत स्थित नेशनल हाईवे 49 कडार-सारधा के पास अज्ञात वाहन ने 23 मवेशियों को कुचला। 17 मवेशियों की मौत। 5 गंभीर रूप से घायल।
- **तीसरा हादसा:** रतनपुर-पेंड्रा मार्ग पर अज्ञात वाहन ने मवेशियों के झुंड को कुचल दिया था, जिससे 14 मवेशियों की मौत हुई थी। वहीं, 5 मवेशी घायल हो गए थे।